

राज्यपाल ने अम्बेडकर ट्रस्ट आफ इण्डिया के वार्षिक अधिवेशन का उद्घाटन किया
डॉ० अम्बेडकर एक दृष्टि से पूरे समाज के गुरु हैं - राज्यपाल
निर्धन मेधावी छात्रों को अच्छी शिक्षा देने के लिए समाज आगे आये - श्री नाईक

लखनऊ: 17 जुलाई, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज अम्बेडकर ट्रस्ट आफ इण्डिया के चतुर्थ वार्षिक अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बाबा साहब अम्बेडकर बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। बाबा साहब अम्बेडकर एक दृष्टि से पूरे समाज के गुरु जैसे हैं। उन्होंने पढ़ो, सीखो और संघर्ष करो का संदेश दिया। बाबा साहब को पूरा देश संविधान निर्माता के रूप में देखता है। उन्होंने अपनी सोच को अच्छे ढंग से संविधान में प्रारूप के रूप में प्रस्तुत किया तथा देश के निर्माण एवं सहभागिता के लिए सभी को मतदान का अधिकार दिया। राज्यपाल ने कहा कि सबसे बड़े जनतांत्रिक देश के रूप में समाज सदैव बाबा साहब का ऋणी रहेगा। अम्बेडकर ट्रस्ट आफ इण्डिया के चतुर्थ अधिवेशन में राज्यपाल ने सर्वप्रथम दीप प्रज्ज्वलित करके अधिवेशन का उद्घाटन किया तथा भगवान बुद्ध एवं बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपना सम्मान प्रकट किया। इस अवसर पर अम्बेडकर ट्रस्ट आफ इण्डिया के अध्यक्ष श्री जे० राम, उपाध्यक्ष श्रीमती शर्मिला शंकर, प्रो० कालीचरण स्नेही सहित ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारीगण व सहयोगी उपस्थित थे। राज्यपाल ने कार्यक्रम में 10 व्यक्तियों को ट्रस्टी प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया।

श्री नाईक ने कहा कि डॉ० अम्बेडकर ने कभी अपने स्वाभिमान से समझौता नहीं किया। अपने असंतोष को भी प्रकट करने के लिए डॉ० अम्बेडकर ने सदैव शांति का मार्ग अपनाया। महात्मा गांधी के कहने पर प्रधानमंत्री पं० नेहरू ने कांग्रेस के बाहर से डॉ० अम्बेडकर एवं डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी को मंत्रिमण्डल में मंत्री बनाया। वैचारिक दृष्टि से बाबा साहब के विचार कांग्रेस से मेल नहीं खाते थे और बाद में उन्होंने बड़ी सहजता से अपना त्याग पत्र दे दिया। उन्होंने कहा कि डॉ० अम्बेडकर ने अपने व्यवहार से शांतिपूर्ण ढंग से समाज को जागरूक करने का काम किया।

राज्यपाल ने मेधावी छात्रों को आर्थिक मदद देने के लिए ट्रस्ट की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि निर्धन मेधावी छात्रों को अच्छी शिक्षा देने के लिए समाज आगे आये। मेधावी छात्रों की शिक्षा के लिए आर्थिक मदद करना सार्थक प्रयास है। दान से किसको लाभ मिलता है यह दानदाता को भी नहीं मालूम होता। उन्होंने विश्वास जताया कि जिन छात्रों को आर्थिक सहयोग दिया गया है वे उसका सदुपयोग करेंगे और आगे चलकर समाज को यह कर्ज वापस करेंगे।

इस अवसर पर श्री जे० राम अध्यक्ष अम्बेडकर ट्रस्ट आफ इण्डिया ने स्वागत उद्बोधन देने के साथ ट्रस्ट की प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में प्रो० कालीचरण स्नेही सहित अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखे।



